औजला के गीत विनिंग स्पीच से मिलती है जीत की प्रेरणा : विराट

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली का कहना है कि वह पंजाबी गायक करण औजला के गाने विनिंग स्पीच से प्रेरित हैं और इसे अपनी जीत का मंत्र मानते हैं। विराट के अनुसार उन्हें लगता है कि जिस प्रकार के बोल इसमें हैं।

उससे उन्हें अपने जीवन की यात्रा और संघर्षों का प्रतिबिंब इसमें दिखता है। वे इसे अपनी व्यक्तित्व से गहराई से जुड़ा हुआ मानते हैं। विराट का कहना है कि यह गीत उन्हें अपनी यात्रा, संघर्षों और जीवन के अनुभवों की याद दिलाता है, यही वजह है कि वे इसे दिल के करीब मानते हैं।

विराट ने एक कार्यक्रम में कहा कि मैच से पहले वह आमतौर पर विनिंग स्पीच सुनते हैं। उन्होंने इस गाने के प्रति अपने गहरे जुड़ाव को लेकर कहा, आप अपने दिल से गाने लिखते हो। जिस गीत से मैं बहुत जुड़ाव महसूस करता हूं, वह है विनिंग स्पीच क्योंकि उस गाने में उसी प्रकार की यात्रा के बारे में बताया गया है जिससे मैं गुजरा हूं। मैंने अपने पिता को बहुत कम उम्र में खो दिया था, इसलिए यह गीत मेरे लिए बहुत विशेष है। उन्होंने बताया कि इस गीत के बोल उन्हें अपनी यात्रा और अनुभवों की याद दिलाते हैं, जो उन्हें हर बार प्रेरित करते हैं।

इस कार्यक्रम में औजला ने अपने गानों से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने विनिंग स्पीच सहित वेवी और एमएफ गबरू जैसे लोकप्रिय गाने गाए। कार्यक्रम के दौरान, औजला ने विराट को मंच पर आमंत्रित किया, जिसे देखकर दर्शकों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। सोशल मीडिया पर इस इवेंट के वीडियो तेजी से वायरल हुए, जिसने इस शानदार शाम को और भी विशेष बना दिया। इस यादगार रात को बनाने के लिए क्रिकेट, संगीत और फैशन जगत की कई जानी-मानी हस्तियां मौजूद थीं।

इसी मंच पर विराट ने अपने कभी हार न मानने वाले रवैये पर कहा कि मुझे ऐसे हालात पसंद हैं जब लोगों को लगता है कि मैच हाथ से निकल गया है और फिर किसी तरह आप गेम को वापस अपनी तरफ मोड़ लेते हैं। उन्होंने बचपन से ही इस मानसिकता को अपनाने की बात कही और बताया कि उन्होंने कभी भी अंत तक यह नहीं माना कि मैच हार गए हैं या वे जीत नहीं सकते। साथ ही कहा कि जब तक आप मैच हार नहीं जाते, तब तक खेल खत्म नहीं होता। विराट की यह अडिग भावना और उनका जीवन दर्शन, औजला के गीत विनिंग स्पीच के संदेश को बखूबी दर्शाता है, जो उन्हें मैदान पर और जीवन में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

न्यूज ब्रीफ

आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप में शिवा ने जीता रजत, युग प्रताप को कांस्य

नई दिल्ली। जर्मनी के सुहल में चल रही आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप में भारतीय निशानेबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। भारतीय दल ने एक और सफल दिन के साथ तीन नए पदक अपने नाम किए और पदक तालिका में अपनी बढ़त को और मजबूत कर लिया। भारत के शिवा नरवाल ने 10 मीटर एयर पिस्टल जूनियर पुरुष वर्ग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। वहीं इसी स्पर्धा में युग प्रताप सिंह राठौर ने शानदार निशानेबाजी करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। इस स्पर्धा में भारत ने दो पदक जीतकर दोहरी सफलता हासिल की। टीम स्पर्धा में भी भारतीय खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। 10 मीटर एयर पिस्टल जूनियर पुरुष टीम स्पर्धा में शिवा नरवाल, संदीप बिश्नोई और चिराग शर्मा की तिकड़ी ने संयुक्त रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भारत को रजत पदक दिलाया। इन तीन नए पदकों के साथ भारत की कुल पदक संख्या अब 15 हो गई है, जिसमें 5 स्वर्ण, 3 रजत और 7 कांस्य पदक शामिल हैं। भारतीय दल लगातार व्यक्तिगत और टीम दोनों स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन कर रहा है और इसी के दम पर भारत ने चैंपियनशिप की पदक तालिका में शीर्ष स्थान बरकरार रखा है।

फीफा विश्व कप 2026 : नार्वे ने सेनेगल को 3-2 से हराकर नाकआउट दौर में बनाई जगह

न्यूयार्क/न्यू जर्सी। फीफा विश्व कप 2026 में नार्वे ने सेनेगल को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराकर अंतिम 32 में अपनी जगह पक्की कर ली। नार्वे की जीत के नायक एरलिंग हालांड रहे, जिन्होंने दूसरे हाफ में दो गोल दागे। मुकाबले की शुरुआत नार्वे के लिए शानदार रही। टीम को शुरुआती बढ़त मार्कस पेडर्सेन ने दिलाई। इसके बाद दूसरे हाफ में एरलिंग हालांड ने आक्रामक खेल दिखाते हुए लगातार दो गोल कर नार्वे को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। हालांकि सेनेगल ने हार नहीं मानी। इस्माइला सार ने नार्वे के तीसरे गोल के पहले और बाद में दो गोल कर मुकाबले को रोमांचक बना दिया। अंतिम समय में सेनेगल ने बराबरी की कोशिश की, लेकिन नार्वे की रक्षापंक्ति ने बढ़त बचाए रखी और टीम ने जीत दर्ज कर नाकआउट चरण का टिकट हासिल कर लिया। इस जीत के साथ नार्वे ने अगले दौर में प्रवेश सुनिश्चित कर लिया, जबकि सेनेगल की स्थिति मुश्किल हो गई है।

मेसी के दो गोल से अर्जेंटीना की जीत, आस्ट्रिया को हराकर नाकआउट चरण में पहुंची टीम

डलास। फीफा विश्व कप 2026 में अर्जेंटीना ने अपने प्रशंसकों का भरोसा कायम रखते हुए आस्ट्रिया को 2-0 से हराकर नाकआउट चरण में जगह पक्की कर ली। कप्तान लियोनेल मेसी ने दोनों गोल दागकर टीम को जीत दिलाई और एक बार फिर बड़े मंच पर अपनी अहमियत साबित की। मैच से पहले ही डलास शहर अर्जेंटीना के रंग में रंग गया था। हजारों समर्थकों ने पारंपरिक बांदेराजो आयोजन में हिस्सा लेकर शहर को नीले-सफेद रंग में सजा दिया था। मुकाबले के दिन भी स्टेडियम में अर्जेंटीना समर्थकों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। मुकाबले की शुरुआत में अर्जेंटीना को बड़ा मौका मिला जब वीडियो समीक्षा के बाद टीम को पेनाल्टी दी गई। हालांकि मेसी इस अवसर को गोल में नहीं बदल सके और उनका शाट बाहर चला गया। यह विश्व कप 2022 में पोलैंड के खिलाफ चूकी पेनाल्टी के बाद देश के लिए उनकी पहली पेनाल्टी चूक रही। इसके बाद आस्ट्रिया ने कुछ समय तक अर्जेंटीना पर दबाव बनाया और मुकाबले को संतुलित बनाए रखा। लेकिन 39वें मिनट में अर्जेंटीना को बढ़त मिल गई। थियागो आल्मादा ने फाकुंडो मेडिना के पास को चतुराई से छोड़ दिया और गेंद मेसी तक पहुंची। मेसी ने संतुलित अंदाज में गेंद को गोल में पहुंचाकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में आस्ट्रिया ने वापसी की कोशिश की और एक खतरनाक अवसर बनाया, लेकिन गोलरक्षक एमिलियानो मार्टिनेज़ ने शानदार बचाव किया।

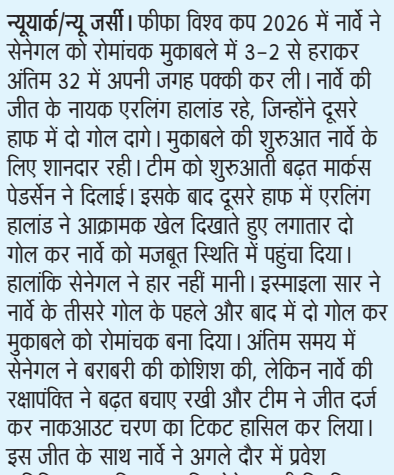

मालवा स्टैलियंस ने रीवा जगुआर्स को 52 रन से हराया

अखिल के बल्ले और आदित्य-ईशान की गेंदों के दम पर मालवा की दमदार जीत; फिर भी रीवा प्लेआफ की दौड़ में तीसरे स्थान पर कायम

इंदौर

होलकर स्टेडियम में खेले गए मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग के 41वें मुकाबले में मालवा स्टैलियंस ने अखिल निगोते यादव के बल्ले और आदित्य-ईशान की गेंदों के दम पर शानदार प्रदर्शन करते हुए रीवा जगुआर्स को 52 रन से पराजित कर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। बारिश से प्रभावित इस मुकाबले में मालवा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 214/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया, जिसके जवाब में रीवा की पूरी टीम 20 ओवर में 162 रन पर सिमट गई।

मुकाबले के दौरान बारिश ने खेल को कुछ समय के लिए रोक दिया था। उस समय रीवा जगुआर्स 15 ओवर में 108/6 के स्कोर पर थी और उसे 30 गेंदों में 107 रन की जरूरत थी। खेल दोबारा शुरू होने के बाद भी रीवा लक्ष्य के करीब नहीं पहुंच सकी और अंतत: 52 रन से हार का सामना करना पड़ा।

टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मालवा स्टैलियंस को अखिल निगोते यादव ने विस्फोटक शुरुआत दिलाई। उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों में 66 रन की पारी खेली, जिसमें सात छक्के शामिल रहे। पार्थ साहनी ने 33 रन का योगदान दिया, जबकि अंत में आर्यन देशमुख ने महज 10 गेंदों पर नाबाद 36 रन बनाकर टीम को 214 रन तक पहुंचा दिया। रीवा की ओर से अश्विन दास और सागर सोलंकी ने दो-दो विकेट लिए, लेकिन अन्य गेंदबाज मालवा के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में सफल नहीं हो सके।

215 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रीवा की शुरुआत खराब रही और कप्तान पृथ्वीराज सिंह तोमर बिना खाता खोले आउट हो गए। अक्षत रघुवंशी (29) और मोहम्मद अरहम अकील (27) ने तेज बल्लेबाजी कर उम्मीद जगाई, लेकिन बड़ी साझेदारी नहीं बना सके। अथर्व महाजन ने 25 रन बनाए, जबकि अश्विन दास ने 15 गेंदों पर 28 रन की तेज पारी खेली। निचले क्रम में रामवीर गुज्जर ने 10 गेंदों पर चार छक्कों की मदद से 28 रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन तब तक मैच रीवा की पकड़ से निकल चुका था। मालवा स्टैलियंस की जीत में आदित्य मिश्रा ने सबसे अहम भूमिका निभाई। उन्होंने चार ओवर में मात्र 19 रन देकर तीन विकेट झटके। ईशान चौधरी ने भी चार ओवर में 38 रन देकर चार विकेट लेकर रीवा की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। अशुतोष शर्मा और आर्यन देशमुख को भी एक-एक सफलता मिली। बारिश की बाधा के बावजूद मालवा स्टैलियंस ने पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा और बल्लेबाजी व गेंदबाजी दोनों विभागों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 52 रन की यादगार जीत अपने नाम कर ली।

इस जीत के बावजूद मालवा स्टैलियंस की प्लेआफ की राह लगभग बंद हो गई है। नौ मैचों में टीम की यह सिर्फ दूसरी जीत रही और वह चार अंकों के साथ अंक तालिका में अंतिम स्थान पर बनी हुई है। वहीं, हार के बावजूद रीवा जगुआर्स आठ मैचों में 10 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर कायम है। चंबल घड़ियाल्स 16 अंकों के साथ शीर्ष पर जबकि रायल निमाड़ ईगल्स 14 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

मालवा स्टैलियंस के आर्यन देशमुख को उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया। उन्होंने 10 गेंदों पर नाबाद 36 रन की विस्फोटक पारी खेलने के अलावा एक विकेट भी हासिल किया।

संक्षिप्त स्कोर

मालवा स्टैलियंस : 214/7 (20 ओवर) - अखिल निगोते यादव 66 (29), आर्यन देशमुख नाबाद 36 (10), पार्थ साहनी 33 (27); अश्विन दास 2/62, सागर सोलंकी 2/32।

रीवा जगुआर्स : 162 (20 ओवर) - अक्षत रघुवंशी 29 (16), अश्विन दास 28 (15), रामवीर गुज्जर 28 (10); ईशान चौधरी 4/38, आदित्य मिश्रा 3/19।

फीफा विश्व कप 2026 : फ्रांस ने इराक को 3-0 से हराकर नाकआउट में बनाई जगह

फिलाडेल्फिया

फीफा विश्व कप 2026 में फ्रांस ने मंगलवार को इराक को 3-0 से हराकर अंतिम 32 में अपनी जगह पक्की कर ली। मुकाबले का सबसे चर्चित पहलू रहा किलियन एम्बाप्पे का शानदार प्रदर्शन और बीच मैच में खराब मौसम के कारण हुआ लंबा व्यवधान।

फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने प्रतियोगिता में अपना दूसरा दोहरा गोल दागते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उनके दोनों गोलों के बीच लगभग तीन घंटे का अंतर रहा, क्योंकि क्षेत्र में तेज़ तूफान और बारिश के कारण दूसरे हाफ की शुरुआत लगभग दो घंटे तक टालनी पड़ी।

एम्बाप्पे के इन गोलों के साथ विश्व कप में उनके कुल गोलों की संख्या 16 हो गई और उन्होंने जर्मनी के पूर्व दिग्गज स्ट्राइकर मिरोस्लाव क्लोज़े के रिकार्ड की बराबरी कर ली। इससे पहले अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी आस्ट्रिया के खिलाफ दो गोल करके विश्व कप इतिहास में 18 गोल के नए रिकार्ड तक पहुंच चुके थे।

एम्बाप्पे अब इस विश्व कप में चार गोल कर चुके हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में मेसी से सिर्फ एक गोल पीछे हैं।

फ्रांस ने मैच की शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। 14वें मिनट में एम्बाप्पे ने पहला गोल किया। माइकल ओलिसे के पास पर गेंद मिलने के बाद उन्होंने बाक्स के बाहर से शानदार प्रहार किया, जिसे इराक के गोलरक्षक अहमद बासिल नहीं रोक सके।

दूसरे हाफ की शुरुआत मौसम के कारण देरी से हुई, लेकिन वापसी के बाद भी इराक लय नहीं पकड़ सका। 54वें मिनट में इराक की रक्षात्मक गलती का फायदा उठाते हुए उस्मान डेम्बेले ने एम्बाप्पे को आसान अवसर दिया और उन्होंने अपना दूसरा गोल कर दिया।

इसके बाद 66वें मिनट में मौजूदा बैलन डीओर विजेता उस्मान डेम्बेले ने भी गोल करते हुए फ्रांस की बढ़त 3-0 कर दी। डेम्बेले ने माइकल ओलिसे के शानदार पास को नियंत्रित करते हुए गेंद को गोल में पहुंचाया।

मैच के दौरान मौसम भी चर्चा का विषय रहा। पहले हाफ के समाप्त होने के समय ही तेज़ बारिश और तूफान शुरू हो गया, जिसके बाद दर्शकों को स्टेडियम के सुरक्षित हिस्सों में भेजा गया। लगभग एक घंटा 40 मिनट बाद खिलाड़ी वार्मअप के लिए लौटे और मैदान पर जमा पानी हटाने के बाद खेल दोबारा शुरू हो सका।

इस जीत के साथ फ्रांस ने नाकआउट चरण में प्रवेश सुनिश्चित कर लिया और खिताब की दौड़ में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की।

फीफा विश्व कप : जर्मनी को बड़ा झटका

बोस्टन। फीफा विश्व कप 2026 में जर्मनी की टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार डिफेंडर निको श्लोटरबेक टखने में गंभीर चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। यह चोट उन्हें ग्रुप चरण के मुकाबले के दौरान लगी थी। मैच के दौरान चोटिल होने के बाद श्लोटरबेक को मध्यांतर से पहले मैदान छोड़ना पड़ा था। बाद में कराई गई चिकित्सीय जांच में उनके बाएं टखने के लिगामेंट में गंभीर चोट की पुष्टि हुई, जिसके चलते उन्हें लंबे समय तक मैदान से दूर रहना पड़ सकता है। जर्मनी के मुख्य कोच जूलियन नागेल्समैन ने इस चोट को टीम के लिए बड़ा नुकसान बताया। उन्होंने कहा कि श्लोटरबेक न केवल रक्षापंक्ति के महत्वपूर्ण खिलाड़ी थे, बल्कि उनकी खेल निर्माण क्षमता और मैदान पर नेतृत्व भी टीम के लिए बेहद अहम था। कोच ने यह भी कहा कि खिलाड़ी का सकारात्मक रवैया टीम के लिए प्रेरणादायक है और वह फिलहाल टीम के साथ बने रहेंगे। उनके अनुसार, श्लोटरबेक की मौजूदगी ड्रेसिंग रूम में भी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने में मदद करेगी। हालांकि जर्मनी के लिए राहत की बात यह है कि टीम पहले ही अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल कर नाकआउट चरण में पहुंच चुकी है।

फीफा विश्व कप 2026 : अल्जीरिया ने जार्डन को 2-1 से हराकर नाकआउट की उम्मीदें जिंदा रखीं

सैन फ्रांसिस्को

फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप जे मुकाबले में मंगलवार को अल्जीरिया ने शानदार वापसी करते हुए जार्डन को 2-1 से हराकर अपनी नाकआउट चरण में पहुंचने की उम्मीदें जिंदा रखीं, जबकि जार्डन का टूर्नामेंट सफर यहीं समाप्त हो गया। मैच की शुरुआत से ही अल्जीरिया ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और लगातार आक्रमण किए, लेकिन जार्डन की मजबूत रक्षापंक्ति ने लंबे समय तक उन्हें सफलता नहीं मिलने दी। इसके उलट जार्डन ने मिले मौके का फायदा उठाते हुए 36वें मिनट में बढ़त हासिल कर ली। अल्जीरियाई रक्षण पंक्ति की गलती के बाद बने तेज आक्रमण को निजार अल-रशदान ने निचले कोने में शानदार शाट लगाकर गोल में बदल दिया। पहला हाफ में 1-0 से पीछे रहने के बाद अल्जीरिया ने दूसरे हाफ में दबाव बढ़ाया और वापसी की शुरुआत 69वें मिनट में हुई। स्थानापन्न खिलाड़ी नाधिर बेनबुआली ने रियाद महरेज के कार्नर पर शानदार हेडर लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद अल्जीरिया ने लगातार दबाव बनाए रखा और 82वें मिनट में एक और कार्नर से निर्णायक गोल आया। बाक्स में बनी अफरा-तफरी के बीच अमीन गुइरी ने नजदीक से गेंद को गोल में पहुंचाकर अल्जीरिया को 2-1 की बढ़त दिला दी। अंतिम मिनटों में जार्डन ने बराबरी की कोशिश की, लेकिन अल्जीरिया ने बढ़त बचाए रखी और महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। इस हार के साथ जार्डन अपने पहले विश्व कप अभियान से बाहर हो गया, जबकि अल्जीरिया ने अंतिम दौर की दौड़ में खुद को बनाए रखा और अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत की।

यह विश्व कप इतिहास में पहली बार रहा जब अल्जीरिया ने पिछड़ने के बाद कोई मुकाबला जीतकर वापसी की। इससे पहले विश्व कप में पीछे रहने की स्थिति में उसका रिकार्ड बेहद निराशाजनक रहा था। इसके साथ ही अल्जीरिया ने एशियाई टीमों के खिलाफ विश्व कप में अपना शानदार रिकार्ड भी कायम रखा और अब तक ऐसे दोनों मुकाबले जीत चुका है। नाधिर बेनबुआली विश्व कप में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में गोल करने वाले दूसरे अल्जीरियाई खिलाड़ी बने, जबकि रियाद महरेज विश्व कप में गोल में योगदान देने वाले अल्जीरिया के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए।

आईसीसी ने जारी किया गर्भावस्था के बाद महिला क्रिकेटरों की वापसी का कार्यक्रम

दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने गर्भावस्था के बाद वापसी करने वाली रही महिला क्रिकेटरों की सहायता के लिए व्यापक दिशानिर्देश जारी करने के साथ ही कार्यक्रम भी पेश किया है।

आईसीसी का प्रयास उन महिला क्रिकेटरों की सहायता करना है जो अपने करियर के दौरान परिवार शुरू करने और बच्चे को जन्म देने के बाद मैदान पर वापसी का विकल्प चुन रही हैं। इन दिशानिर्देशों का लक्ष्य सदस्य बोर्डों के लिए एक संपूर्ण प्रणाली स्थापित करना है, जिससे कि वे खिलाड़ियों को गर्भावस्था, बच्चे के जन्म और शीर्ष स्तर के क्रिकेट में वापसी में उनकी सहायता कर सकें। इस कर्यक्रम के तहत ही पहले 16 सप्ताह के विंडो में बच्चे के जन्म के बाद शुरुआती रिकवरी, सुनियोजित अभ्यास और अनुकूलन शामिल होगा। इसके साथ ही क्रिकेट बोर्ड को प्रत्येक खिलाड़ी के लिए एक विशेष केस मैनेजर नियुक्त करना होगा, साथ ही उन्हें प्रशिक्षण के लिए लचीला माहौल, बच्चों की देखभाल और यात्रा में सहायता तथा गर्भावस्था व बच्चे के जन्म के बाद की अवधि में पर्याप्त चिकित्सा और स्वास्थ्य सुविधाओं को उपलब्ध कराना होगा। इन व्यापक दिशानिर्देशों को आईसीसी की मेडिकल एडवाइजरी कमेटी ने तैयार किया है। इनका मुख्य उद्देश्य सदस्य बोर्डों को खिलाड़ियों की भलाई को प्राथमिकता देते हुए और स्थानीय कानूनों के अनुसार गर्भावस्था व खेल में वापसी की नीतियां बनाने में मदद करना है। इस प्रणाली में रेडी (तैयार), रिव्यू (समीक्षा), रिस्टोर (बहाली), रीकंडीशन (फिर से तैयार होना), रिटर्न (वापसी) और रिफाइन (बेहतर बनाना) नामक छह-चरणों वाला खेल में वापसी का माडल है। यह माडल बच्चे के जन्म के बाद शुरुआती रिकवरी से लेकर प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी और उसके बाद लगातार निगरानी तक की एक क्रमिक प्रक्रिया का विस्तृत विवरण देता है। आईसीसी के एक प्रवक्ता ने इस पहल को महिला क्रिकेटरों को उनके करियर के हर चरण में समर्थन देने के लिए एक आवश्यक कदम बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि मातृत्व और एलीट क्रिकेट को एक-दूसरे से अलग नहीं देखा जाना चाहिए। प्रवक्ता ने कहा, स्पष्ट, व्यावहारिक और खिलाड़ी-केंद्रित मार्गदर्शन प्रदान करके, हम सदस्य बोर्डों को समझदारी से निर्णय लेने, खिलाड़ियों की भलाई की रक्षा करने और खेल में अधिक बेहतरीन प्रतिभा को बनाए रखने में मदद करना चाहते हैं।वहीं वेस्टइंडीज की अनुभवी खिलाड़ी एफी फ्लेचर, जिन्होंने 2021 में अपने बेटे को जन्म देने के बाद आईसीसी महिला विश्व कप में हिस्सा लिया था, का मानना है कि आईसीसी की ये पहल अधिक से खिलाड़ियों को मातृत्व के बाद क्रिकेट में वापसी के लिए प्रेरित करेंगी।